भारत सरकार व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

देहरादून
सोमवार, 3 अप्रैल 2023
वर्ष 15, अंक 44
पेज 04,
वार्षिक शुल्क 100 रु.मूल्य 1 रु.

आरएनआई संख्या 2008/24505

साप्ताहिक
अमर हिन्दुस्तान
www.amarhindustan.co.in

यूटीयू में सिंगल विंडो सिंस्टम हुआ लागू

विश्विद्यालय से पोर्टल के जरिये एडमिशन

अमर हिंदुस्तान
amarhindustan.com

कॉलेज अपने स्तर से नहीं भर सकेगी सीटें

विवि के कुलपति ने गिनाई अपनी उपलिब्धयां

देहरादून। माधो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौधोगिकी विवि के कुलपति ने अपने छह माह के दौरान किये गये विकास कार्यों को गिनाया और विवि की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सत्र 2022-23 से नई शिक्षा नीति को विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य व वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप सभी पाठ्यक्रमों में लागू किया जा चुका है तथा सभी पाठ्यक्रमों के सिलेबस पुनर्रीक्षित कर प्रभावी किये जा चुक हैं। शनिवार को विवि में पत्रकारों से बातचीत में विवि के कुलपति ओंकार सिंह ने ने उन्होंने बताया कि साईबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में पाठ्यक्रम संचालन हेतु राउण्ड टेबल कॉफ्रेंस का आयोजन करते हए बीटैक कम्प्यूटर साइंस, बीटैक साइबर सिक्योरिटी एवं पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र जुलाई 2023-24 से प्रारम्भ किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिसमें आगामी शैक्षणिक सत्र जुलाई 2023-24 से विवि के परिसर में बीफार्मा पाठ्यक्रम शुरू किये जाने की तैयारी करते हुए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया पीसीआई को आवेदन की कार्यवाही कर दी गयी है। कुनपति ने बताया कि विवि द्वारा एआईसीटीई, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया व बार काउंसिल ऑफ इण्डिया के मानकों के अनुरूप समस्त पाठ्यक्रमों को पुनर्गठित कर दिया गया है। विवि में ईआरपी व्यवस्था के अन्तर्गत लागू किया जा चुका हैं तथा विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों के डिजिटलीकृत करने की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने बताया कि विवि के द्वारा शनिवार को छात्रों के एडमिशन को एप पोटल लांच किया गया है जिसमें जो भी छात्र अपना एडमिशन करना चाहता है वह पोटल पर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। एडमिशन को लेकर उन्होंने बताया कि इसमें लगातार सुधार किया जा रहा है।

विवि की आगामी कार्य योजना

- आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रियाकोएकल खिडकी व्यवस्था के अन्तर्गत प्रोविजनप्रवेश पंजीकरण की कार्यवाही 1 अप्रैल, 2023 से शुरू किये जाने की तैयारी। विश्वविद्यालय स्तर पर पोर्टल आधारित इस प्रक्रिया से सभी संस्थानों को भी पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण साथ ही छात्रों को प्रवेश हेतु संस्थानों में न जाते हुये ब्दसपअमप्रवेश मिलेगा।
- विश्वविद्यालय में ''सेन्टर ऑफ ऐक्सीलेंस फॉर साइबर सिक्योरिटी'' की स्थापना करने का निर्णय लिया गया है।
- आगामी शैक्षणिक सत्र 2023-24 से शोध कार्यों को बढ़ाने हेतु त्योजना प्रारम्भ की जा रही है जिसमें चयनित पीएचडी शोधार्थियों को शोध के साथ-साथ शैक्षणिक कार्य करना होगा। 20000/(बीस हजार) रूपये प्रतिमाह की फैलोशिप 30000/(तीस हजार) रूपये प्रतिवर्ष की दर से कंटिजेन्सी दी जायेगी।
- आगामी सत्र से विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्रों को उत्कृष्ट प्रोजेक्ट कार्य हेतु रूपये 5000/-(पांच हजार) की आर्थिक सहायता दिये जाने का निर्णय लिया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा प्लेसमेंट गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु केन्द्रीकृत पूल कैम्पस किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिस हेतु ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट का मेबाइल ऐप तैयार कर प्रभावी कर दिया गया है।

विवि के छह माह की उपलधियां

- शैक्षणिक सत्र 2022-23 के जनवरी 2023 में हुए विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के संकलित मुद्रण कर नोडल केन्द्रों के माध्यम से वितरित करने की व्यवस्था को समाप्त करते हुये समस्त प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक प्रेषण का कार्य पूर्ण रूप से डिजिटल मोड़में पासवर्ड प्रोटेक्शन के साथ इनक्रिप्टेड तरीके से प्रत्येक परीक्षा प्रारम्भ होने के 30-45 मिनट पूर्व में किया गया।
- समस्त विगत प्रश्नपत्रों का ऑडिट कराया गया ताकि उनमें सुधार किया जा सके।
- शैक्षणिक सत्र 2022-23 की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य पूर्ण रूप से व्यवस्था से विकेन्द्रीकृत स्वरूप में प्रारम्भ किया गया जो कि प्रगति पर है।
- विश्वविद्यालय के 19वें स्थापना दिवस समारोह के आयोजन पर परिसर में टी-55 टैंक तथा वीर माधो सिंह भण्डारी की मूर्ति की स्थापना एवं ''प्रथम एल्यूमनी मीट'' करायी गयी।
- विश्वविद्यालय में ''इनक्यूबेशन हब'' की स्थापना।
- विश्वविद्यालय के ''एल्यूमनी सेल'' की स्थापना।